

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)Roll No.

--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

D-0309**Test Booklet No.**

Time : 1 ¼ hours]

PAPER-II

[Maximum Marks : 100

PHILOSOPHY

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
Example :

A	B	C	D
---	---	---	---

where (C) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- Negative Marking :- For each incorrect answer, 0.5 marks shall be deducted.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
 - इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
उदाहरण :

A	B	C	D
---	---	---	---

जबकि (C) सही उत्तर है ।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नानंकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपको पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
- नेगेटिव अंक प्रणाली : प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0.5 अंक काटे जाएँगे ।

D-0309**1****P.T.O.**

PHILOSOPHY

Paper – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objectives type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt all the questions.

1. According to Aristotle, God is the
 - (A) material cause of the Universe
 - (B) efficient cause of the Universe
 - (C) instrumental cause of the Universe
 - (D) final cause of the Universe

2. Which one of the following is correctly matched ?
 - (A) Nyāya – Viparitakhyāti
 - (B) Advaitavedānta – Vivekakhyāti
 - (C) Prābhākara Mīmāṃsā – Akhyāti
 - (D) Bhāṭṭa Mīmāṃsā – Anyathākhyāti

3. 'The Human Cycle' is written by
 - (A) Tagore
 - (B) Gandhi
 - (C) Radhakrishnan
 - (D) Sri Aurobindo

4. Rajaśuya Yajña is performed
 - (A) to make the king more powerful
 - (B) to swear one as king
 - (C) to bring good to the king
 - (D) to win a war

5. Match List-I (Philosophers) with List-II (Works) and select the correct answer using the codes given below the lists :

List-I	List-II
(a) Plato	I Parmenides
(b) Aristotle	II Discourse on Method
(c) Berkeley	III Nicomechian Ethics
(d) Descartes	IV Principles of Human Knowledge

Codes :

(a)	(b)	(c)	(d)
(A) I	II	III	IV
(B) I	IV	II	III
(C) I	III	II	IV
(D) I	III	IV	II

6. G. E. Moore refutes the following doctrine of the idealists :
 - (A) Time is unreal
 - (B) To be is to be perceived
 - (C) Reality is spiritual
 - (D) All relations are internal

दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र – II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें।

- अरस्तू के अनुसार ईश्वर संसार का
(A) उपादान कारक है। (B) निमित्त कारक है।
(C) करण कारक है। (D) अंतिम कारक है।
- निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित है ?
(A) न्याय - विपरीतख्याति
(B) अद्वैतवेदान्त - विवेकख्याति
(C) प्रभाकर मीमांसा - अख्याति
(D) भट्ट मीमांसा - अन्यथाख्याति
- 'दी ह्यूमन साइकिल' ग्रन्थ लिखा गया है :
(A) टैगोर द्वारा (B) गाँधी द्वारा
(C) राधाकृष्णन द्वारा (D) श्री अरविन्द द्वारा
- राजसूय यज्ञ सम्पादित किया जाता है :
(A) राजा को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिये
(B) राजा का राज्याभिषेक करने के लिये
(C) राजा के शुभ के लिये
(D) युद्ध में विजय के लिये
- सूची-I (दार्शनिक) को सूची-II (कृतियों) से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(a) प्लेटो	I. पारमेनिडीज़
(b) अरस्तू	II. डिसकोर्स ऑन मैथड
(c) बर्कले	III. निकोमेकियन एथिक्स
(d) देकार्त	IV. प्रिंसिपल्स ऑफ ह्यूमन नॉलेज

कूट :

(a)	(b)	(c)	(d)
(A) I	II	III	IV
(B) I	IV	II	III
(C) I	III	II	IV
(D) I	III	IV	II
- जी.इ. मूर प्रत्ययवादियों के इस मत का खंडन करते हैं :
(A) काल अवास्तविक है। (B) सत्ता अनुभव मूलक है।
(C) सत् आध्यात्मिक है। (D) सभी संबंध आंतरिक हैं।

7. The expounder of dialectical method in early Greek Philosophy was
(A) Socrates (B) Aristotle
(C) Zeno (D) Plato
8. According to Plato
(A) God is the cause of the ideas (B) Ideas are the cause of God
(C) Ideas are equal to God (D) Ideas are material
9. According to St. Augustine, human soul is
(A) An eternal substance identical with the Cosmos.
(B) A material substance characterized by consciousness.
(C) An individual substance
(D) A rational substance suited for ruling the body
10. The proposition "I think", according to Descartes, is self-verifying because
(A) Thinking is my essence (B) It is a logical truth
(C) Doubting it, confirms it (D) It is a necessary truth
11. Which one of the following is not true of Spinoza ?
(A) The physical can have no effect on the mental.
(B) Psycho-physical interactionism.
(C) God is at once both mental and material.
(D) The mental can have no effect on the physical.
12. Which one of the following principles is not true of Leibnitz ?
(A) The principle of sufficient reason
(B) The law of non-contradiction
(C) The indiscernibility of identicals
(D) The identity of indiscernibles
13. The main aim of Berkeley in refuting abstract idea was
(A) to criticize Rationalism (B) to criticize Locke
(C) to refute Matter (D) to refute Idealism
14. The three steps by which one can rise to the heights of the Absolute Spirit are
(A) History, Religion and Philosophy
(B) History, Theology and Poetry
(C) Poetry, Religion and History
(D) Art, Religion and Philosophy
15. The proposition, basic to Idealism, which Moore rejects is
(A) Ideas are no less real than matter
(B) Esse est percipii (To be, is to be perceived)
(C) The thing-in- itself is non-empirical
(D) Cogito, ergo Sum (I think therefore I am)

7. प्रारम्भिक ग्रीक दर्शन में द्वन्द्वात्मक विधि के प्रवर्तक थे :
- (A) सुकरात (B) अरस्तू
(C) जीनो (D) प्लेटो
8. प्लेटो के अनुसार :
- (A) ईश्वर प्रत्ययों का कारण है । (B) प्रत्यय, ईश्वर के कारण हैं ।
(C) प्रत्यय ईश्वर के तुल्य हैं । (D) प्रत्यय अचेतन हैं ।
9. सन्त अगस्टाईन के अनुसार मानव आत्मा है :
- (A) एक शाश्वत द्रव्य जिसका ब्रह्माण्ड के साथ तादात्म्य है ।
(B) एक जड़तात्मक द्रव्य है जो चेतना से विशिष्ट है ।
(C) एक व्यक्तिगत द्रव्य है ।
(D) एक बौद्धिक द्रव्य है जो शरीर को शासित करने में समर्थ है ।
10. देकार्त के अनुसार “मैं सोचता हूँ” यह कथन स्वतः सत्यापनीय है क्योंकि :
- (A) सोचना मेरा सार है । (B) यह एक तार्किक सत्य है ।
(C) इस पर सन्देह करना इसे पुष्ट करता है । (D) यह एक अनिवार्य सत्य है ।
11. निम्नलिखित में से कौन सा एक स्पिनोजा के विषय में सत्य नहीं है ?
- (A) भौतिक का मानसिक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
(B) मनोभौतिक परस्पर क्रिया प्रतिक्रियावाद ।
(C) ईश्वर एक मानसिक और भौतिक है ।
(D) मानसिक का भौतिक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
12. निम्नोक्त सिद्धान्तों में से लाइबनीट्ज के दर्शन में कौन सा एक सत्य नहीं है ?
- (A) पर्याप्त तर्क का सिद्धान्त
(B) अव्याघात का नियम
(C) तादात्म्यों का अविभेद्यता
(D) अविभेद्यों का तादात्म्य
13. अमूर्त प्रत्यय के निराकरण में बर्कले का मुख्य उद्देश्य था :
- (A) बुद्धिवाद की आलोचना करना (B) लॉक की आलोचना करना
(C) द्रव्य का निराकरण करना (D) प्रत्ययवाद का निराकरण
14. परम प्रत्यय तक पहुँचने के लिये तीन चरण हैं :
- (A) इतिहास, धर्म एवं दर्शन
(B) इतिहास, धर्मशास्त्र और काव्य
(C) काव्य, धर्म और इतिहास
(D) कला, धर्म और दर्शन
15. प्रस्थापना जो प्रत्ययवाद का मूलभूत है, जिसका निराकरण मूर करते हैं – वह है :
- (A) प्रत्यय, द्रव्य से कम सत्य नहीं हैं ।
(B) सत्ता अनुभवमूलक है ।
(C) सद्वस्तु आनुभविक नहीं है ।
(D) मैं सोचता हूँ इसलिये मेरी सत्ता है ।

16. Which one of the following is not true of Dasein, according to Heidegger ?
 (A) It is concernfully engaged with the world.
 (B) It is essentially self-conscious.
 (C) It is always an actuality, never a possibility.
 (D) Its real nature is revealed in its temporality.
17. The relation between meaning and its use refers, in later Wittgenstein, to the fact that
 (A) A sentence becomes meaningless if it is not used for a very long time.
 (B) Both private and public use of a sentence makes it meaningful.
 (C) A meaningful sentence makes use of rules of syntax and semantics
 (D) The meaning of a sentence consists entirely in its public, rule-governed use.
18. Ahimsā has been treated as a Vrata in
 (A) Buddhism (B) Jainism
 (C) Gandhism (D) Both in Buddhism and Jainism
19. “A word has two types of Vrtti (power) for conveying its meaning.” This view is held by
 (A) The Naiyāyikas (B) The Alāmkārikas
 (C) The Grammarians (D) None of the above
20. Hotā in vedic sacrifice is
 (A) The main priest of Rkveda
 (B) The main priest of Atharvaveda
 (C) The main priest of Yajurveda
 (D) None of the above
21. God according to Nyāya is
 (A) Material cause of the world
 (B) Efficient cause of the world
 (C) Both material and efficient cause of the world
 (D) Neither efficient nor material cause of the world
22. Which one of the following schools hold that sufferings are mainly of three types ?
 (A) The Buddhist (B) The Jaina
 (C) Sāṅkhya (D) Mīmāṃsā
23. Who propounds that there is internal difference in God ?
 (A) Śaṅkara (B) Rāmānuja
 (C) Kapil (D) Patanjali
24. What is the intermediate principle in Sri Aurobindo’s Philosophy ?
 (A) Psychic Being (B) Consciousness force
 (C) Super mind (D) Higher mind

16. हाइडेगर के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा एक डेज़ाइन के विषय में सत्य नहीं है ?
 (A) यह संसार के साथ सचेतन रूप से सम्बद्ध है ।
 (B) यह तत्त्वतः सचेतन है ।
 (C) यह सदैव एक यथार्थता है न कि कथमपि सम्भावना
 (D) इसका वास्तविक स्वरूप इसकी कालिकता में प्रकाशित होता है ।
17. परवर्ती विटगेन्स्टाइन में अर्थ और उसके प्रयोग में सम्बन्ध इस तथ्य की ओर संकेत करता है :
 (A) दीर्घ अवधि तक प्रयुक्त न होने पर वाक्य निरर्थक हो जाता है ।
 (B) व्यक्तिगत एवं सामूहिक प्रयोग वाक्य को सार्थक बनाता है ।
 (C) सार्थक वाक्य वाक्यविन्यास और अर्थविज्ञान के नियमों का पालन करता है ।
 (D) वाक्य का अर्थ उसके नियमानुकूल सामूहिक प्रयोग में पूर्णतः निहित होता है ।
18. अहिंसा को एक व्रत के रूप में लिया गया है :
 (A) बौद्ध दर्शन में (B) जैन दर्शन में
 (C) गाँधी दर्शन में (D) बौद्ध दर्शन एवं जैन दर्शन दोनों में
19. “अपने अर्थ को संसूचित करने के लिए शब्द में दो प्रकार की वृत्ति होती है” – यह मत है :
 (A) नैयायिकों का (B) अलंकारिकों का
 (C) वैयाकरणों का (D) उपर्युक्त में किसी का भी नहीं
20. वैदिक यज्ञ में होता है :
 (A) ऋग्वेद का मुख्य पुरोहित
 (B) अथर्ववेद का मुख्य पुरोहित
 (C) यजुर्वेद का मुख्य पुरोहित
 (D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं
21. न्यायदर्शन के अनुसार ईश्वर :
 (A) जगत् का उपादान कारण है ।
 (B) जगत् का निमित्त कारण है ।
 (C) जगत् का उपादान तथा निमित्त दोनों कारण है ।
 (D) न निमित्त कारण है न उपादान कारण ।
22. निम्नोक्त में से कौन सा एक दार्शनिक सम्प्रदाय दुःख को मुख्यतः तीन प्रकार का मानता है ?
 (A) बौद्ध (B) जैन
 (C) सांख्य (D) मीमांसा
23. कौन प्रतिपादित करता है कि ईश्वर में स्वगत भेद है ?
 (A) शंकर (B) रामानुज
 (C) कपिल (D) पतंजलि
24. श्री अरविन्द के दर्शन में मध्यवर्ती सिद्धान्त क्या है ?
 (A) चैत्य पुरुष (B) चित् शक्ति
 (C) अतिमन (D) ऊर्ध्वमन

25. Which one is the correct sequence of the following ?
- (A) Manas, Ahaṁkāra, Pañcajñānendriya
(B) Pañcajñānendriya, Pañcakarmendriya, Pancatanmatras
(C) Prakṛti, Mahat, Manas
(D) Mahat, Manas, Ahaṁkāra
26. The correct sequence of triple transformation in evolutionary theory of Sri Aurobindo is
- (A) Supramental, Psychic and Spiritual
(B) Spiritual, Psychic and Supramental
(C) Psychic, Spiritual and Supramental
(D) Psychic, Supramental and Spiritual
27. The correct sequence of four conditions of an intelligible sentence according to Nyāya is
- (A) Sannidhi, Tatparya, Ākāṅkṣā and Yogyāta
(B) Sannidhi, Yogyāta, Tatparya and Ākāṅkṣā
(C) Ākāṅkṣā, Yogyāta, Sannidhi and Tātparya
(D) Yogyāta, Sannidhi, Tātparya and Ākāṅkṣā
28. The correct sequence of astasiddhis is
- (A) Anima, Mahima, Laghima, Prāpti, Prakāmya, Vasitva, Isitva, Yatṛakamāvasāyitva
(B) Laghima, Anima, Mahima, Prāpti, Prakāmya, Yatṛakamāvasāyitva, isitva, Vasitva
(C) Yatṛakamāvasāyitva, isitva, Vasitva, Mahima, Laghima, Anima, Prāpti, Prakāmya
(D) Mahima, Laghima, Anima, Prāpti, Prakāmya, Vasitva, isitva, Yatṛakamāvasāyitva
29. Which one is the correct sequence of the following ?
- (A) Viksipta, Ekāgra, Niruddha
(B) Kṣipta, Viksipta, Mudha
(C) Ekāgra, Niruddha, Kṣipta
(D) Viksipta, Kṣipta, Ekāgra
30. Which one is the correct sequence of the following ?
- (A) Parmānusaṁyoga, Is'varecchā, Jagatasṛṣṭi
(B) Anumiti, Sisādhayiṣā, Sidhyābhāva
(C) Is'varecchā, Parmānusaṁyoga, Dvyaṇuka
(D) Is'varecchā, Trayāṇuka, Dvyaṇuka

25. निम्नोक्त का सही क्रम क्या है :
- (A) मन, अहंकार, पंच ज्ञानेन्द्रिय
 (B) पंच ज्ञानेन्द्रिय, पंच कर्मेन्द्रिय, पंच तन्मात्रायें
 (C) प्रकृति, महत्, मनस
 (D) महत्, मनस, अहंकार
26. श्री अरविन्द के विकास सिद्धान्त के त्रिविध रूपान्तरण का सही क्रम है :
- (A) अतिमानसिक, चैत्य एवं आध्यात्मिक
 (B) आध्यात्मिक, चैत्य एवं अतिमानसिक
 (C) चैत्य, आध्यात्मिक एवं अतिमानसिक
 (D) चैत्य, अतिमानसिक एवं आध्यात्मिक
27. न्यायदर्शन के अनुसार बोधगम्य वाक्य की चार शतों का सही क्रम है :
- (A) सन्निधि, तात्पर्य, आकांक्षा एवं योग्यता
 (B) सन्निधि, योग्यता, तात्पर्य एवं आकांक्षा
 (C) आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि एवं तात्पर्य
 (D) योग्यता, सन्निधि, तात्पर्य एवं आकांक्षा
28. अष्टसिद्धियों का सही क्रम है :
- (A) अणिमा, महिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, वशित्व, इशित्व, यत्रकामावसायित्व
 (B) लघिमा, अणिमा, महिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, यत्रकामावसायित्व, इशित्व, वशित्व
 (C) यत्रकामावसायित्व, इशित्व, वशित्व, महिमा, लघिमा, अणिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य
 (D) महिमा, लघिमा, अणिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, वशित्व, इशित्व, यत्रकामावसायित्व
29. निम्नोक्त में किसका क्रम सही है ?
- (A) विक्षिप्त, एकाग्र, निरुद्ध
 (B) क्षिप्त, विक्षिप्त, मूढ़
 (C) एकाग्र, निरुद्ध, क्षिप्त
 (D) विक्षिप्त, क्षिप्त, एकाग्र
30. निम्नोक्त में से किस एक का क्रम सही है ?
- (A) परमाणुसंयोग, ईश्वरेच्छा, जगत् सृष्टि
 (B) अनुमिति, सिसाधयिषा, सिध्याभाव
 (C) ईश्वरेच्छा, परमाणुसंयोग, द्वयणुक
 (D) ईश्वरेच्छा, त्रयणुक, द्वयणुक

31. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the codes given below the lists :

List-I (Philosopher)	List-II (Works)
(i) Sankara	1. Satadusiṇi
(ii) Vacaspati Misra	2. Viṣṇutattva Vinirnaya
(iii) Madhva	3. Bhāmati
(iv) Vedanta Desika	4. Dṛgdr̥ṣya Viveka
	5. Pañcadaśi

Codes :

	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	2	1	5
(C)	2	1	5	4
(D)	1	5	3	4

32. Which one of the following is not correctly matched ?

(A) Tripitaka	–	A Buddhist text
(B) Kiranāvali	–	A Vaiśeṣika text
(C) Tattvārthādhigamasūtra	–	A Mīmāṃsā text
(D) Tattvacintāmaṇi	–	Nyāya text

33. Match List-I with List-II and select the correct one.

List-I	List-II
(a) Kṣiti	(i) Bhūtadravya only
(b) Manas	(ii) Both Bhūtadravya & Mūrtadravya
(c) Ākāśa	(iii) Mūrtadravya only
(d) Ātmā	(iv) Neither Bhūtadravya nor Mūrtadravya

Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

34. The sense-object contact needed for perceiving the abhāva of pot on the ground, according to Nyāya is

(A) Viśeṣaṇatā	(B) Saṁyukta Viśeṣaṇatā
(C) Yogyanupalabdhi	(D) Samavāya

31. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये और निम्नोक्त कूट से सही उत्तर चुनिये :

सूची-I (दार्शनिक)	सूची-II (कृतियाँ)
----------------------	----------------------

- | | |
|---------------------|--------------------------|
| (i) शंकर | 1. शतदूषणी |
| (ii) वाचस्पति मिश्र | 2. विष्णुतत्त्व विनिर्णय |
| (iii) मध्व | 3. भामती |
| (iv) वेदान्त देशिक | 4. दृग्दृश्य विवेक |
| | 5. पंचदशी |

कूट :

- | | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
|-----|-----|------|-------|------|
| (A) | 4 | 3 | 2 | 1 |
| (B) | 3 | 2 | 1 | 5 |
| (C) | 2 | 1 | 5 | 4 |
| (D) | 1 | 5 | 3 | 4 |

32. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है ?

- | | | |
|--------------------------|---|----------------|
| (A) त्रिपिटक | – | बौद्ध ग्रन्थ |
| (B) किरणावली | – | वैशेषिक ग्रन्थ |
| (C) तत्त्वार्थाधिगमसूत्र | – | मीमांसा ग्रन्थ |
| (D) तत्त्वचिन्तामणि | – | न्याय ग्रन्थ |

33. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्नोक्त कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
--------	---------

- | | |
|------------|--------------------------------------|
| (a) क्षिति | (i) भूतद्रव्य केवल |
| (b) मनस | (ii) भूतद्रव्य और मूर्तद्रव्य दोनों |
| (c) आकाश | (iii) केवल मूर्तद्रव्य |
| (d) आत्मा | (iv) न तो भूतद्रव्य और न मूर्तद्रव्य |

कूट :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|------|-------|-------|------|
| (A) | (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (B) | (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (C) | (ii) | (iii) | (i) | (iv) |
| (D) | (ii) | (iii) | (iv) | (i) |

34. न्याय के अनुसार भूतल पर घटाभाव के प्रत्यक्ष के लिए किस सन्निकर्ष की आवश्यकता है ?

- | | |
|--------------------|----------------------|
| (A) विशेषणता | (B) संयुक्त विशेषणता |
| (C) योग्यानुपलब्धि | (D) समवाय |

35. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the codes given below the lists :

List-I	List-II
(i) Indeterminism	1. Kumarila
(ii) Determinism	2. Buddhism
(iii) Pratītya Samutpāda	3. Spinoza
(iv) Jatisāktivāda	4. Charwaka

Code :

- (A) (ii)-1 (iii)-3 (iv)-2 (i)-4
(B) (iii)-2 (iv)-3 (i)-1 (ii)-4
(C) (iv)-2 (i)-3 (ii)-1 (iii)-4
(D) (i)-4 (ii)-3 (iii)-2 (iv)-1
36. Which one of the following is not correctly matched ?
- (A) Dehātmaṁvāda – Cārvāka
(B) Nairātmyavāda – Buddha
(C) Ātmavāda – Nyāya
(D) Ārambhavāda – Sāṁkhya
37. Which one of the following statements adequately sums up Heraclitus Philosophy ?
- (A) All things originate from water.
(B) The universe is composed of five great elements.
(C) All things are in a state of flux.
(D) The originating cause of the universe is air.

The following question (Question Nos. 38 to 47) consist of two statements, one labelled as “Assertion (A)” and the other labelled as “Reason (R)”. Please examine these two statements carefully and decide if the Assertion (A) and the Reason (R) are individually true and if so, whether the Reason R is a correct explanation of the Assertion A. Choose your answers using the codes below and mark your answer sheet accordingly

Codes :

- (A) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
(B) Both (A) and (R) are true, but (R) is not a correct explanation of (A).
(C) (A) is true, but (R) is false.
(D) (A) is false, but (R) is true.
38. **Assertion (A) :** Sāṁkara criticised the Nyāya theory of Khyātivāda.
Reason (R) : According to Sāṁkara effect must exist in the cause before its manifestation.
39. **Assertion (A) :** According to Buddha Samyak Dṛṣṭi is necessary for Nirvāna.
Reason (R) : Knowledge alone can remove suffering.
40. **Assertion (A) :** According to Moore, Mill has committed a naturalistic fallacy.
Reason (R) : Mill has defined a natural property ‘goodness’ in terms of another natural property pleasure.

35. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्नोक्त कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I		सूची-II	
(i)	अनियतिवाद	1.	कुमारिल
(ii)	नियतिवाद	2.	बौद्ध
(iii)	प्रतीत्य समुत्पाद	3.	स्पिनोजा
(iv)	जातिशक्तिवाद	4.	चार्वाक

कूट :

- (A) (ii)-1 (iii)-3 (iv)-2 (i)-4
 (B) (iii)-2 (iv)-3 (i)-1 (ii)-4
 (C) (iv)-2 (i)-3 (ii)-1 (iii)-4
 (D) (i)-4 (ii)-3 (iii)-2 (iv)-1

36. निम्नलिखित में से कौन सा एक सुमेलित नहीं है ?

- (A) देहात्मवाद – चार्वाक
 (B) नैरात्म्यवाद – बुद्ध
 (C) आत्मवाद – न्याय
 (D) आरंभवाद – सांख्य

37. निम्नलिखित में से कौन सा कथन हेराक्लाइट्स के मत को यथोचित रूप में प्रस्तुत करता है ?

- (A) सभी वस्तुओं का उद्गम जल से है ।
 (B) संसार पाँच महातत्त्वों से बना है ।
 (C) सभी वस्तुएँ प्रवाह की स्थिति में हैं ।
 (D) संसार का उद्गम कारण वायु है ।

निम्नलिखित प्रश्न (प्रश्न संख्या 38 से 47) में दो वक्तव्य हैं । एक को “कथन (A)” और दूसरे को “कारण (R)” कहा गया है । कृपया दोनों कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करें और यह निर्णय करें कि कथन (A) और कारण (R) पृथक-पृथक सही हैं और यदि ऐसा है तो क्या कारण R कथन A का सही स्पष्टीकरण है । निम्नलिखित कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए और अपने उत्तर-पत्रक में तदनुसार अंकित कीजिए ।

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है ।
 (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है ।
 (C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है ।
 (D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है ।

38. कथन (A) : शंकर ने न्याय के ख्यातिवाद सिद्धान्त की आलोचना की ।

कारण (R) : शंकर के मतानुसार कार्य को व्यक्त होने पूर्व कारण में निहित होना चाहिए ।

39. कथन (A) : बुद्ध के अनुसार निर्वाण के लिए सम्यक दृष्टि आवश्यक है ।

कारण (R) : केवल ज्ञान ही दुःख दूर कर सकता है ।

40. कथन (A) : मूर के अनुसार मिल प्रकृतिवादी दोष से ग्रसित है ।

कारण (R) : मिल ने एक प्राकृतिक गुण ‘शुभ’ को दूसरे प्राकृतिक गुण ‘सुख’ के रूप में परिभाषित किया है ।

41. **Assertion (A)** : Śunyata itself is called Nirvāṇa in Madhyamika Philosophy.
Reason (R) : Śunyata is of the nature of cessation of Prapañca.
42. **Assertion (A)** : Human selves are in bondage.
Reason (R) : The law of karma is inexorable
43. **Assertion (A)** : The whole of being cannot be plurality according to Zeno.
Reason (R) : For Zeno to say that one and the same whole is both infinitely small and infinitely great is absurd.
44. **Assertion (A)** : Ramanuja does not accept any proof for the existence of God.
Reason (R) : Ramanuja asserts that God's existence has to be accepted on the basis of Veda.
45. **Assertion (A)** : The Mimamsa accepts a plurality of selves or ātmans.
Reason (R) : Each ātman or self is responsible for its own actions and has to enjoy the fruits of its own actions.
46. **Assertion (A)** : In Gandhian ethics the golden rule of conduct is mutual toleration.
Reason (R) : Conscience is not the same thing for all.
47. **Assertion (A)** : Gītā does not preach renunciation of all actions.
Reason (R) : Man must act while living in the world.

Read the following passage and answer Question Nos. from 48 to 50.

Kautilya's Arthaśāstra is in the main intended for kings and ministers (rāja dharma), the focus being the administrative and political success leading to the welfare of people. Material welfare is its main concern in fifteen great sections, it deals with matters as follows :

Discipline, government, superintendents, law, repression of criminals, conduct of courtiers, the elements of Sovereignty, Six fold policy of action (peace, neutrality etc), vices to be avoided, war, dissension, capture of the fortified city, and secret means to injure the enemy.

48. The main aim of Kautilya Arthashastra is
 (A) Administrative and Political success
 (B) Welfare of the people
 (C) Social and Ethical success
 (D) Legal and Religious success
49. Arthashastra does not deal with matters related to
 (A) Liberation (B) Punishments of the criminals
 (C) The conduct of the courtiers (D) Sovereignty of the country
50. The main concern of Arthashastra is
 (A) Welfare of the animals (B) Material welfare of the State
 (C) Spiritual growth of the citizens (D) The religious welfare of the citizens

41. **कथन (A) :** माध्यमिक दर्शन में शून्यता को ही निर्वाण कहा जाता है ।
कारण (R) : शून्यता की प्रकृति ही प्रपंच का अंत है ।
42. **कथन (A) :** मनुष्य की आत्मा बंधन में है ।
कारण (R) : कर्म का नियम अनुनेय है ।
43. **कथन (A) :** ज़ीनो के मतानुसार समग्र सत अनेकत्व नहीं हो सकता ।
कारण (R) : ज़ीनो के मतानुसार यह कथन निरर्थक है कि एक ही समष्टि अनन्त रूप से लघु तथा बृहत् दोनों है।
44. **कथन (A) :** रामानुज ईश्वर के अस्तित्व के लिए किसी प्रमाण को स्वीकार नहीं करते ।
कारण (R) : रामानुज का मत है कि ईश्वर का अस्तित्व वेदों के आधार पर स्वीकार करना होगा ।
45. **कथन (A) :** मीमांसा आत्माओं की अनेकता को स्वीकार करता है ।
कारण (R) : प्रत्येक आत्मा अपने स्वयं के कर्मों के लिए उत्तरदायी है और उसे अपने कर्मों का फल भोगना होता है ।
46. **कथन (A) :** गाँधीवादी नीतिशास्त्र में व्यवहार का स्वर्णिम नियम पारस्परिक सहिष्णुता है ।
कारण (R) : अंतर्विवेक सभी के लिए एक समान नहीं होता ।
47. **कथन (A) :** गीता सभी कर्मों को त्यागने के लिए नहीं कहती ।
कारण (R) : संसार में रहते हुए मनुष्य को कर्म करना आवश्यक है ।

निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 48 से 50 का उत्तर दीजिए ।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र का मुख्य उद्देश्य राजधर्म है । इसका केन्द्र बिन्दु जन कल्याण हेतु प्रशासनिक और राजनीतिक साफल्य है । भौतिक कल्याण इसका मुख्य प्रयोजन है । पन्द्रह खण्डों में यह ग्रन्थ जिन तत्त्वों का विवेचन करता है वे इस प्रकार हैं : अनुशासन, सरकार, निरीक्षक, विधि, अपराधियों का दमन, दरबारियों का आचरण, स्वायत्तता के तत्त्व, क्रिया की षडाङ्ग नीति (शांति, तटस्थता इत्यादि), पापों से निवृत्ति, युद्ध, बगावत, किलाबन्द नगर पर अधिकार करना और शत्रुओं को हानि पहुँचाने हेतु गुप्त साधन ।

48. कौटिल्य के अर्थशास्त्र का मुख्य प्रयोजन है :
(A) प्रशासनिक और राजनैतिक सफलता
(B) जन कल्याण
(C) सामाजिक एवं नैतिक सफलता
(D) विधिक एवं धार्मिक सफलता
49. अर्थशास्त्र इससे सम्बद्ध नहीं है :
(A) मुक्ति
(B) अपराधियों के लिए दण्डविधान
(C) दरबारियों का आचरण
(D) देश की स्वायत्तता
50. अर्थशास्त्र का मुख्य प्रयोजन है :
(A) पशुओं का कल्याण
(B) राज्य की भौतिक समृद्धि
(C) नागरिकों का आध्यात्मिक उन्नयन
(D) नागरिकों का धार्मिक कल्याण

Space for Rough Work

